Seat No. : _____

MA-II-96

April-2007

Hindi

Hazari Prasad Dwivedi

Paper-VIII (A)

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 100**

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों के आधार पर उनकी नारी-चेतना पर प्रकाश डालिए । **15**

अथवा

हजारीप्रसाद द्विवेदी के उपन्यासों के परिप्रेक्ष्य में उनके औपन्यासिक शिल्प की लाक्षणिकता पर प्रकाश डालिए ।

2. हजारीप्रसाद द्विवेदी ने स्वातंत्र्योत्तर भारतीय मानस को गढ़ा है - इस कथन के आलोक में हजारीप्रसाद के सांस्कृतिक चिंतन पर प्रकाश डालिए । **15**

अथवा

मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है । द्विवेदीजी की इस मान्यता के आधार पर उनके निबंधों की समीक्षा कीजिए ।

3. निम्नलिखित संक्षिप्त प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **20**

(अ) कवि-समय **अथवा** दोहद

(आ) महायान संप्रदाय **अथवा** कबीर के जाति-विरोधी विचार

(इ) तुलसीदास **अथवा** दादू दयाल

(ई) सूफ़ी साधना **अथवा** नानक

4. निम्नलिखित अवतरणों की स-संदर्भ व्याख्या कीजिए । **30**

(अ) उन्होंने ठीक ही कहा है स्त्रियां ही रत्न को भूषित करती हैं, रत्न स्त्रियों को क्या भूषित करेंगे । स्त्रियां तो रत्न के बिना भी मनोहारिणी होती हैं परन्तु स्त्री का अंग-संग पाए बिना रत्न किसी का मन हरण नहीं करते । आज यदि आचार्य वराह मिहिर यहाँ उपस्थित होते तो और भी आगे बढ़ कर कहते – धर्म-कर्म, भक्ति-ज्ञान, शांति-सौमनस्य कुछ भी नारी का संस्पर्श पाए बिना मनोहर नहीं होते – नारी-देह वह स्पर्श-मणि है, जो प्रत्येक ईंट-पत्थर को सोना बना देती है ।

अथवा

क्या जाने क्या बात है बिटिया, गुरु ने मुझे बताया है कि नारी की सफलता पुरुष को बांधने में है और सार्थकता उसको मुक्त करने में । सारा जीवन मैं इसी विश्वास पर चलती रही । जप-तप, साधन, भजन, सबका एक लक्ष्य रहा है – सार्थकता ।

(आ) मन आत्मा का दैव-चक्षु है, दिव्य-नेत्र है । इससे यह आगे-पीछे, भूत-भविष्यत् सब देखता है । इसी दिव्य चक्षु द्वारा रमण करता है । परन्तु यह भी आत्मा साधन है । जो मन के द्वारा मनन करता है वही आत्मा है ।

अथवा

नाम इतना हल्का पदार्थ नहीं है । देखियत रूप नाम आधीना । नाम को सामाजिक स्वीकृति मिली होती है । नामी नाम से ही पहचाना जाता है । जिस नाम को सामाजिक स्वीकृति नहीं प्राप्त हुई वह निरर्थक शब्दमात्र है । अर्थ नामी है । नाम उसका संकेत देने वाला पद है । नाम को जब सामाजिक स्वीकृति मिल जाती है तो वह पद बनता है ।

(इ) अध्यापक-जीवन का एक बड़ा भारी अभिशाप यह है कि आपको ऐसी सैकड़ों बातों को पढ़ाना पड़ेगा, जिसे आप न तो हृदय से स्वीकार करते हैं और न ही साहित्य के लिए हितकर मानते हैं । यहाँ आदमी को आपा खो कर ही सफलता मिलती है । अगर आपने कहीं स्वतंत्र मत प्रकट किया तो साथ ही विद्यार्थियों को आगाह कर देना पड़ेगा कि देखो, अमुक आदमी जिसकी धाक परीक्षक-मंडली पर जमी हुई है, ऐसा न मान कर ऐसा मानता है । प्रकृत प्रसंग में यह ऐसा न मान कर ऐसा मानने वालों की परस्पर-विरोधी उक्तियों पर अगर कोई सचमुच गंभीरता पूर्वक विचार करे तो उसके लिए शीघ्र ही आपके बगल में जो पागलखाना है उसमें शरण लेनी पड़ेगी ।

अथवा

साहित्य से संबंध रखने वाले जीव पाँच प्रकार के हैं – लेखक, पाठक, संपादक, प्रकाशक और आलोचक । सबके क्षेत्र अलग-अलग हैं । पढ़ने वाला आलोचना नहीं करता, आलोचना करने वाला पढ़ता नहीं – यही तो उचित नाता है । एक ही आदमी पढ़े भी और लिखे भी, या पढ़े भी और आलोचना भी करे या लिखे भी इत्यादि तो साहित्य में अराजकता फैल जाए ।

5. निम्नलिखित वस्तुगत प्रश्नों (अति-लघूत्तरी) उत्तर दीजिए । **20**

(अ) रवीन्द्रनाथ का संपूर्ण साहित्य _____ है । (संगीतमय, रोचक, गम्भीर, उदात्त)

(आ) ज्ञान के समान _____ वस्तु कुछ भी नहीं है । (विशाल, पवित्र, अगाध, वैविध्यपूर्ण)

(इ) मध्य-युग में भारतीय जन-समूह किन दो मोटे विभागों में बँट गया ?

1. सगुण-निर्गुण
2. संत-भक्त
3. हिन्दू-मुसलमान
4. राजा-प्रजा

ई हजारीप्रसाद की जन्मभूमि इनमें से कौन-सी है ?

1. छपरा
2. बलिया
3. दिल्ली
4. ओझवलिया

(उ) "पर सत्य का सत्य यह है कि लोग कबीर दास के साथ चलने की प्रतिज्ञा करने के बाद भी घर नहीं फूंक सके ।" यह पंक्ति इनमें से किस निबंध से उद्धृत है ?

1. घर जोड़ने की माया
2. मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है
3. मेरा जन्मभूमि
4. प्रायश्चित्त की घड़ी

(ऊ) बाणभट्ट ने पाँच तहों में लपेटी हुई पत्रिका का क्या अर्थ निकाला ?

1. उपदेश
2. मित्रता का संदेश
3. राजकीय आदेश
4. इनमें से कोई नहीं

(ए) महामाया का महाराज्ञी राज्यश्री के साथ क्या संबंध था ?

1. भगिनी का
2. शिष्या का
3. सौत का
4. कोई संबंध नहीं था

(ऐ) दक्ष भट्ट किसका नाम था ?

1. बाणभट्ट के मित्र का
2. स्वयं बाणभट्ट का
3. सुगतभद्र का
4. विरतिवज्र का

(ओ) बाणभट्ट के पिता का नाम क्या था ?

1. जयंत भट्ट
2. उडुपति भट्ट
3. चित्रभानु भट्ट
4. दक्ष भट्ट

(औ) हजारीप्रसाद की दीदी से वर्षों बाद कहाँ भेंट हुई ?

1. वाराणसी में
2. उनके घर में
3. मुग़लसराय स्टेशन पर
4. मैदान में

(क) कोहल मुनि कौन थे ?

1. प्रसिद्ध तत्त्व वेत्ता
2. औषेस्ति के सहपाठी
3. वेदान्ती
4. भरत मुनि के प्रधान शिष्य

(ख) रैक्व के मन में शुभा के प्रति कौन-सा भाव था ?

1. अभिलाष भाव
2. प्रेम भाव
3. स्नेह भाव
4. करुणा भाव

(ग) जटिल मुनि ने रैक्व को क्या सलाह दी ?

1. जाबाला से विवाह की
2. जाबाला से उद्वाह की
3. जाबाला के साथ मिल कर समाज-सेवा करने की
4. अधिक तपस्या की

(घ) मैत्रेयी का याज्ञवल्क्य से क्या प्रश्न था ?

1. ब्रह्म का स्वरूप क्या है ?
2. आप किसको अधिक प्रेम करते हैं ?
3. जिस से मैं अमर न हो सकूँ उसे ले कर मैं क्या करूँ ?
4. कामना का स्वरूप क्या है ?

(च) आश्वलायन रैक्व को किसके पास ले गया ?

1. माताजी के पास
2. औदुम्बरायण के पास
3. शुभा के पास
4. जटिल मुनि के पास

(छ) स्त्रियों के नृत्य करने से कौन-सा वृक्ष पुष्पित हो जाता है ?

1. कर्णिकार
2. कुरबक
3. अशोक
4. कोविदार

(ज) काव्य मीमांसा किसका ग्रंथ है ?

1. मम्मट
2. राजशेखर
3. उद्‌भट्‌
4. भामह

(झ) संदेश रासक किस भाषा में लिखा काव्य है ?

1. अपभ्रंश
2. देशी
3. प्राकृत
4. पाली

(ट) रामानुजाचार्य ने किस संप्रदाय का प्रवर्तन किया ?

1. रामानंद संप्रदाय
2. सनकादि संप्रदाय
3. श्री संप्रदाय
4. ब्राह्म संप्रदाय

(ठ) मृगावती किसकी रचना है ?

1. कुतुबन
2. मंझन
3. जायसी
4. चन्दबरदायी